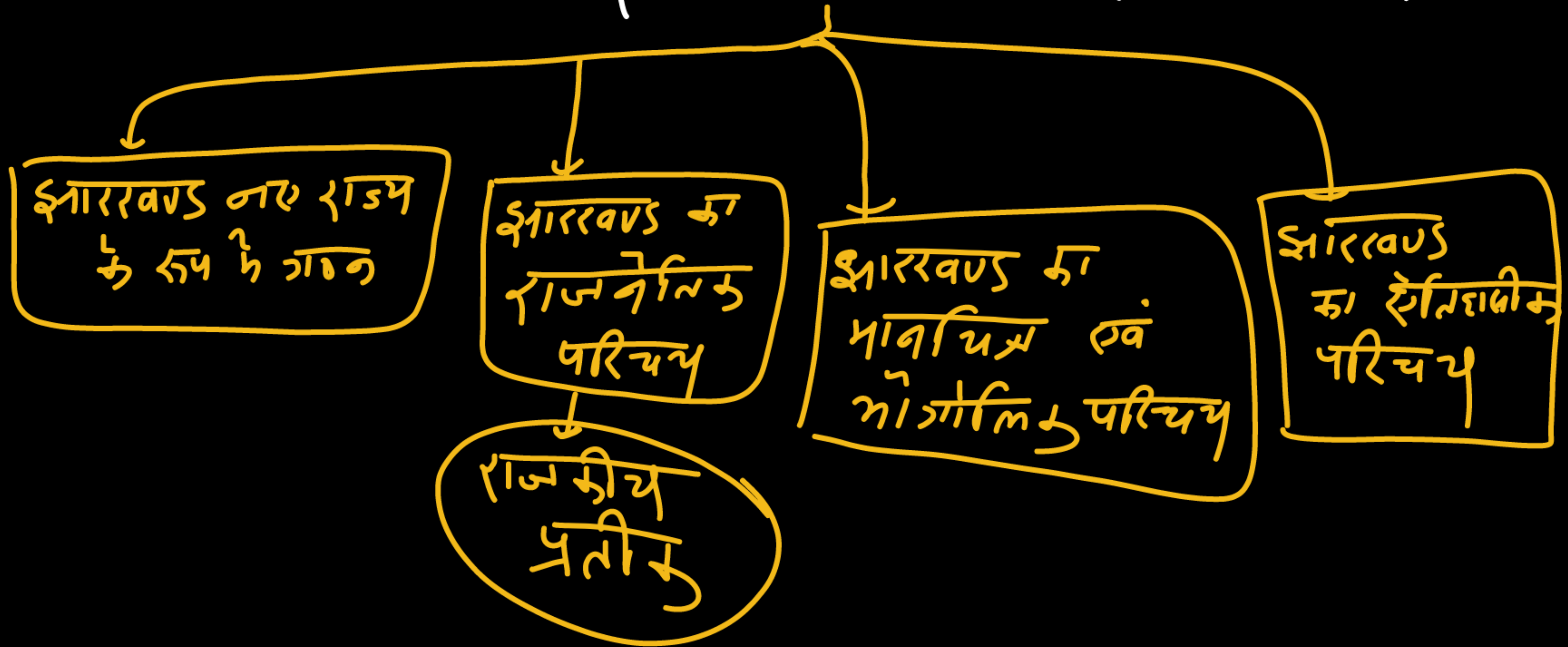
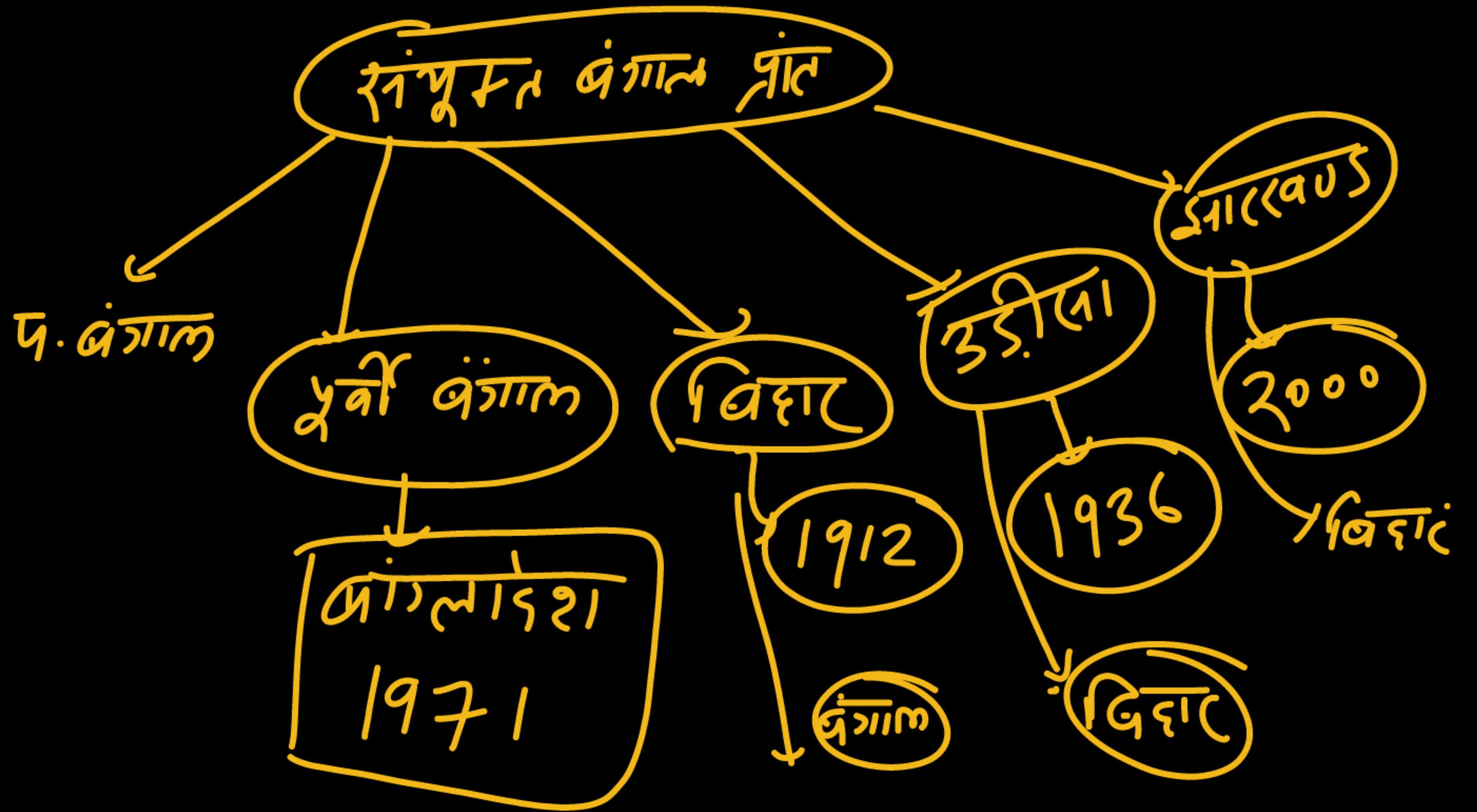


JHARKHAND G.K

झारखण्ड का सामान्य परिचय

General Introduction of Jharkhand.





७ अलग शासक राज्य

कारण

→ बिदा के शासन एवं प्रशासन के प्रतिनिधित्व का अभाव

→ शासक का क्षेत्र आदिवासी वृद्ध क्षेत्र है

→ भौगोलिक अंतर

बिदा → मेदाती क्षेत्र

शासक → पहाड़ी क्षेत्र

• 15 नवम्बर 2000 ई. की बिहार प्रांत के 56.1. दक्षिणी
भाग की अलग स. के अलग झारखण्ड राज्य
का गठन किया गया।

० राज्यों का पुनर्गठन

↳ संविधान के भाग I के तहत अनु 3
के माध्यम से होता है

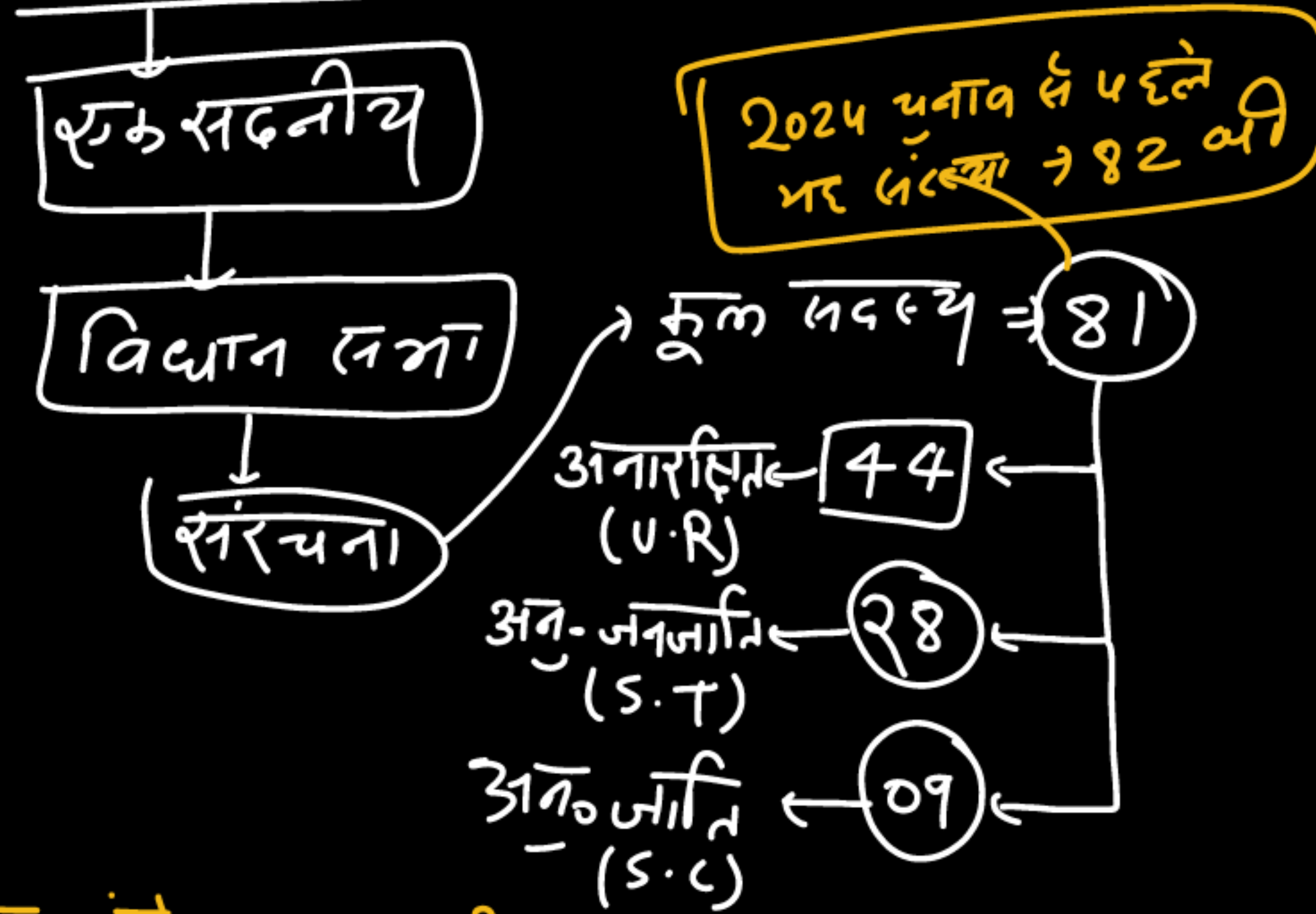
→ बिहार राज्य पुनर्गठन विधेयक २०००

- बिहार विधान सभा → २५ अप्रैल २००० ई.
 - लोकसभा → २ अगस्त २००० ई.
 - राज्य सभा → ११ अगस्त २००० ई.
 - राष्ट्रपति की मूहरा → १५ अगस्त २००० ई.
 - नए राज्य शारदापुर की स्थापना → १५ Nov २००० ई.
- तत्कालीन केन्द्रीय पर्यटन मंत्री बाबुलाल प्रसादी ने
सुझावे पर राज्य का स्थापना दिनांक १५ नवम्बर को किया गया

भारतवर्ष व्यापना के समय महत्वपूर्ण पद पर बैठे लोग

- देश के प्रधानमंत्री → श्री अटल बिहारी वाजपेई
- देश के गृह मंत्री → लाल कृष्ण आडवाणी
- देश के राष्ट्रपति → डा० के आर नारायणन
(देश के पहले दलित राष्ट्रपति)
- बिहार के मुख्यमंत्री → राबड़ी देवी
- बिहार के राज्यपाल → वी. सी पाण्डेय

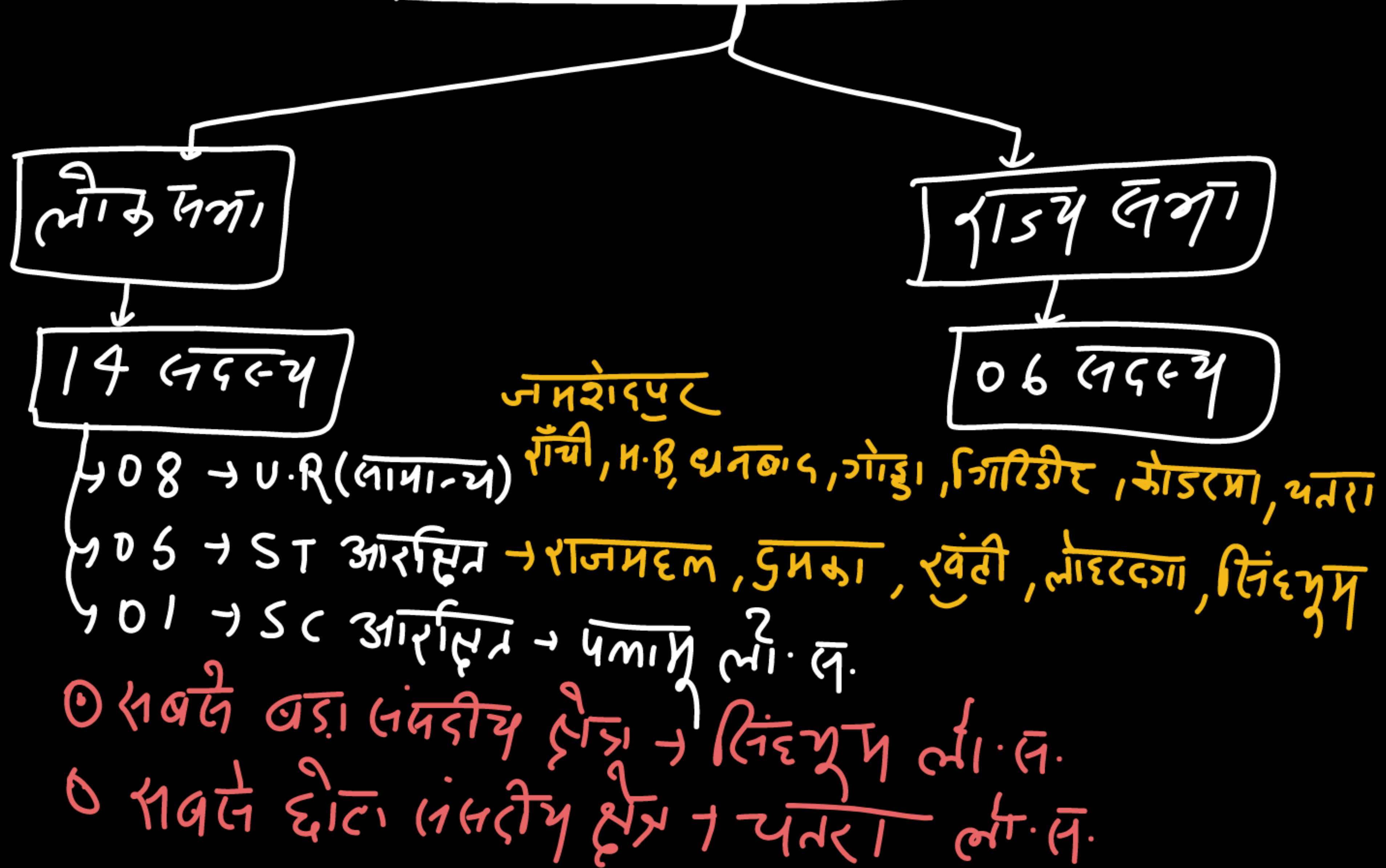
→ झारखण्ड का विधान मंडल



→ 104 वां संविधान संशोधन 2020 के तहत लो.स एवं विधानसभा में SC एवं ST का आरक्षण आगे 10 वर्षों के लिए बढ़ाया गया मगर संसदीय इंडियन का नहीं बढ़ाया गया जिसके कारण उनके प्रतिनिधित्व का प्रावधान लागू हो गया

Note → गुमला एवं लोहरदगा जिले की सभी विधानसभा सीटें ST के लिए आरक्षित हैं

संसद में आरक्षित का प्रतिनिधित्व



झारखण्ड के राजकीय प्रतीक

- ० राजकीय वृक्ष → साल → सौरिया रोबला
↳ झारखण्ड, द. गढ
- ० राजकीय पशु → हाथी → एलिफल मैसिलमल
↳ झारखण्ड, कर्नाटक, केरल
- ० राजकीय पुष्प → पलाल → ट्यूटिया मोनास्पर्स
↳ झारखण्ड, उ.प
- ० राजकीय पक्षी → एशियाई कायल → इंडुमिल कोलोपेशियस
↳ झारखण्ड, पुडुचेरी
- ० राजकीय मछली → देशी मागुर → मलारिल बैलरेयल

राजकीय भाषा

राजकीय भाषा - हिन्दी

भारत की द्वितीय राजकीय भाषा →

16

- ① उर्दू (२००३ में मान्यता)
- ② संथाली (२०११)
- ③ कुड़ुख (२०११)
- ④ मण्डारि (२०११)
- ⑤ दोगरी (२०११)
- ⑥ खड़िया (२०११)
- ⑦ कुरमाली (२०११)
- ⑧ खोरठा (२०११)
- ⑨ नागापुरी (२०११)
- ⑩ पंचपरगनीय (२०११)
- ⑪ उड़िया (२०११)
- ⑫ बांग्ला (२०११)
- ⑬ भोजपुरी (२०१४)
- ⑭ मगही (२०१४)
- ⑮ मैथिली (२०१४)
- ⑯ अंगीका (२०१४)

Note → १२वां संविधान संशोधन २००३ के द्वारा संथाली को ८वीं अनुसूची में शामिल किया गया। जिसे २००५ में लागू किया गया।

राजकीय चिन्ह

अधिकारिक मान्यता।

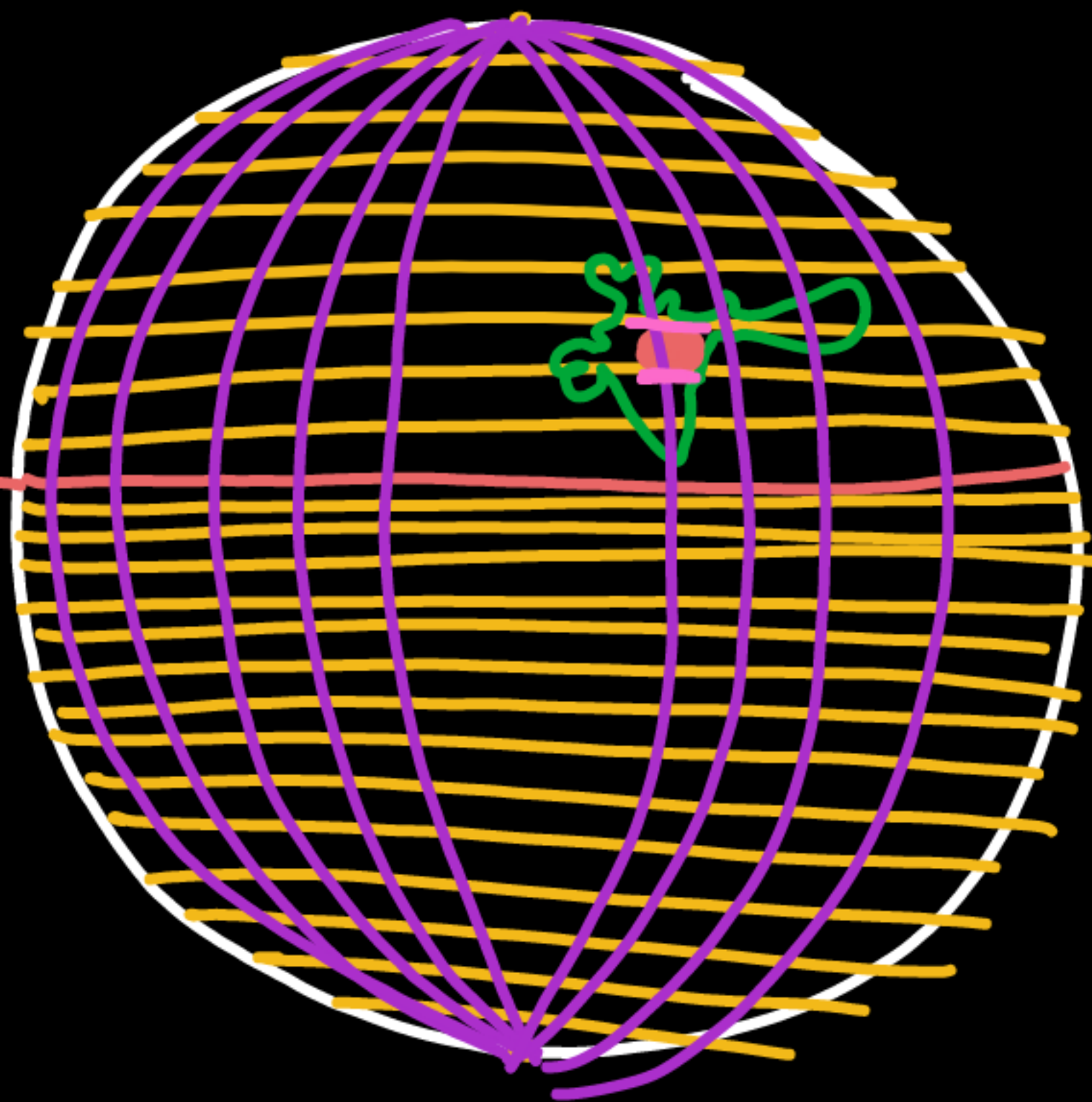
15 अगस्त 2020.

मुख्य रंग 3 धरा एवं लाल
कुल रंग 3 धरा, लाल, काला
नारंगी, भूरा,
दायी की संख्या 24
पल्लव की संख्या 24
मूल कल जड़ें 24

धरा 07
दाता दिनु 60



ਮੁਸਦ ਪੈ ਰੇਵਾ
ਵਿਖੁਕਾ ਰੇਵਾ
0°31'42" ਰੇਵਾ



21°58'10" ਤੇ ਤੇ 25°19'15" ਤੇ ਤੇ ਤੇ

२३°१९'५०" पूर्व देशांत

२५°१९'१५" ऊ. अक्षांश

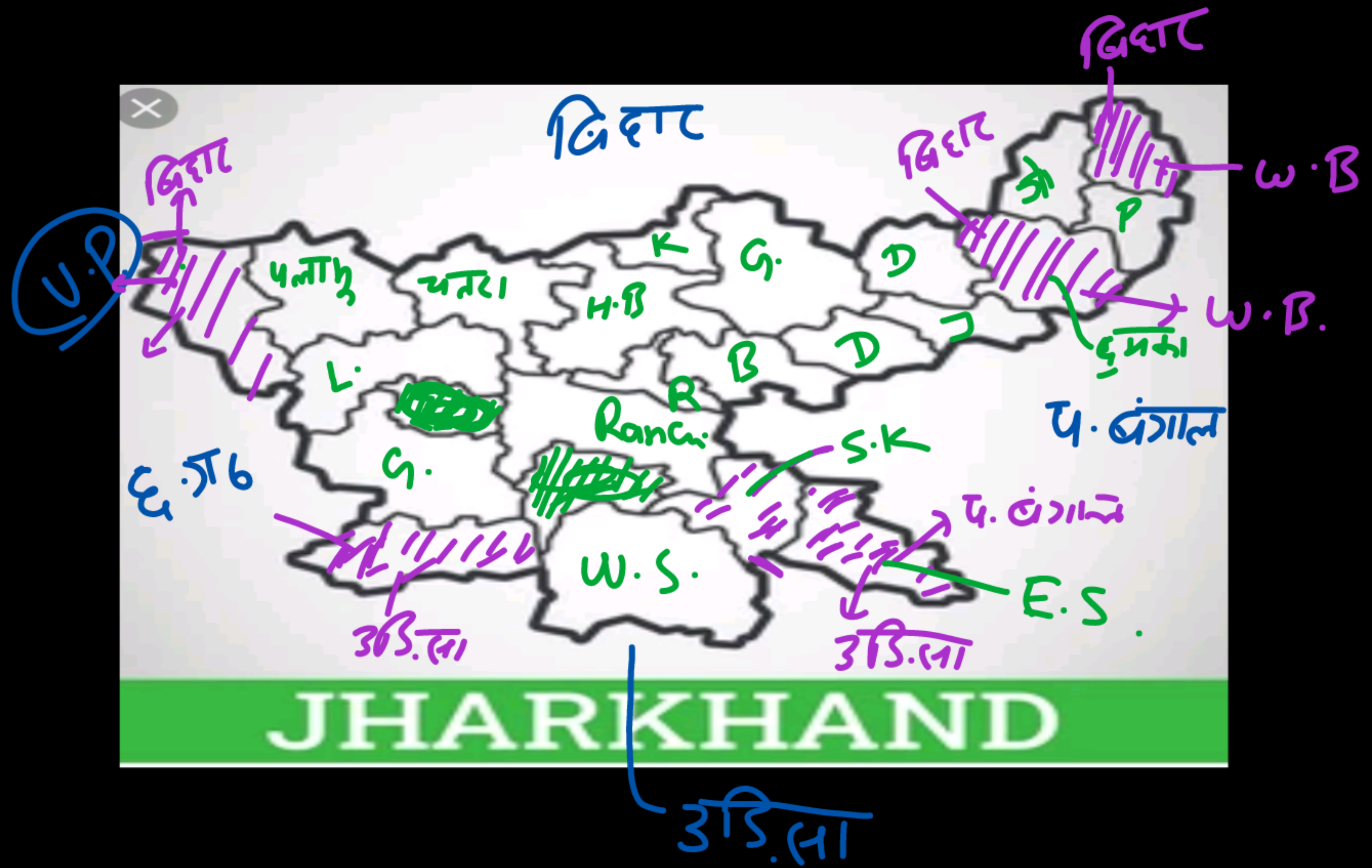


सर्वोत्तम की
उत्पत्ति
↓
पुनर्जात

२१°५८'१०" ऊ. अक्षांश

उत्तर से द. की लम्बाई $\Rightarrow 380 \text{ Km}$
पूर्व से पश्चिम की लम्बाई $\Rightarrow 463 \text{ Km}$) अंतर $\Rightarrow 83 \text{ Km}$

- સારસ્વત પ્રાચીનીય ગાત્ર
કે કુ પૂર્વે મે નિવસે છે
- સારસ્વત ગાત્ર કે પૂર્વે
દિલ્લે મે છે



① शासक 5 राज्यों के साथ हीना बनाता है

→ 3 जिले की मिली भी राज्य के साथ नहीं लड़ा है

→ गुंटी, लोहरदगा

→ 6 जिले की 2 या 3 हैं अधिक राज्यों के साथ
लगा है → गढ़वा → U.P. Bihar, C.G.

सादेबाज → बिहार, प. बंगाल

सुमर → , ,

साथकेला (बलावा) → प. बंगाल, उड़ीसा
पू. बिहार

सिमरगा → द. ग. उड़ीसा

ऐतिहासिक परिचय

प्राचीन इमारतें

- 1. द. गढ़ का दरवाजा , रायगढ़
- 2. उड़ीसा का मयूरभंज , लुंदरगढ़ , + मोझा
और लंघनपुर
- 3. अंगार + पुरमिया , मिदनापुर , पोरुडा।

झारखण्ड के ऐतिहासिक नाम

* झारखण्ड क्षेत्र का सर्वप्रथम साहित्यिक उल्लेख

संतरंज खासग

→ पण्ड / पण्ड

* झारखण्ड शब्द का सर्वप्रथम उल्लेख →

13 वीं शताब्दी का नाम पत्र

(उड़िसा का राजा गरसिंह देव द्वितीय)

- સેતરેજી દ્રાષણ → પુણડ / પુણ્ડ
- વિષ્ણુ પુરાણ → મુણડ
- વાથુ પુરાણ → મુણ્ડ
- પ્રયાગ પ્રલહિત → મુકુણ્ડ
(દરિદ્રેશ → સમુદ્રગુપ્ત સુ દરબારી સુધિ)
- દોલમી → મુણ્ડલ
- મદાચારત → પુણ્ડરીકુ દેશ / પશુમી / અર્કસવણ / સર્કસવણ
- ગાગવત પુરાણ → સિમ્કટ પ્રદેશ
- ઋગવેદ → સિમ્કટ, સીકટ
- અવર્દ વેદ → વ્રાન્ચ પ્રદેશ
- ખાડુયોન → કુકુટ લોડ (ધો નમ.)
- મુગલ કાલ → કુકરા, રુલરા (બાબરનામા)
- મુજુકુ સે બદાંગીસી → સ્વોરવરા
- આઈન અકબરી → કોકરા / સ્વંકારદ
- ઈ. સ્ટિંગા કંપની → દોલનાગપુર
- દુવેનલાંગ → સિર્લા લુ કો લા ના (રાજમદલ)
- સંબાલ પરગના → નરીસવણ
કંકજોલ

शारदाशब्द का उल्लेख

- 13 वीं शताब्दी के नाम पत्र के
- अकबरनामा
- मलिक मो. जायसी की रचनाओं
- कबीर दास की रचनाओं के
- नादिर - ए अंगल
- नादिर ए - फिरोजशाही
- बामन ए सिद्ध की रचनाओं
- पौन्य महाप्रभु
- शिवाए उत भूतवरीन
- गुमान हसन की रचनाओं के